ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 17 अंक-19 जनवरी-I, 2017 (पाक्षिक) माउण्ट आबू 8.00

सद्भाव और शांति के लिए आध्यात्मिकता अपरिहार्य

भारत तथा नेपाल से आए संतों, महंतों के साथ सभी धर्मों से जुड़े प्रतिनिधियों का सम्मेलन ब्रह्माकुमारी संस्था के शांतिवन में सम्पन्न हुआ

सम्मेलन में आये सभी संत महात्माओं का अभिवादन करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका दादी जानकी। दादी जानकी तथा अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका दादी हृदयमोहिनी के साथ कैंडल लाइटिंग करते हुए सभी संतगण।

शांतिवन। 'आज समय की ज़रूरत है कि सभी धर्मों के लोग एक मंच पर आएं और विश्व वसुधैव कुटुम्बकम के लिए उद्घोष करें, यही सही समय है' - **गांधीनगर के अनंत विभूषित महा-मंडलेश्वर वैराग्यानंद गिरी महाराज।**

'भारत देश में जब भी कभी मूल्यों का संकट आया है तब संत महात्माओं ने आध्यात्मिक शक्ति से मुक्ति दिलाने का महान कार्य किया है। उन्होंने संतों महात्माओं से आह्वान किया कि सभी को मिलकर बुराइयों से मुक्त भारत का निर्माण करना चाहिए, जिसकी शुरुआत ब्रह्माकुमारी संस्थान से हो गई है'- **इन सर्च ऑफ पीस फाउंडेशन ऋषिकेश के संस्थापक स्वामी योगी अमरनाथ।**

'राजयोग और ध्यान मनुष्य को आध्यात्मिक ऊंचाइयों की ओर ले जाता है। यही एक रास्ता है जो परमात्मा के समीप ले जाएगा। जहाँ से मनुष्य अपना भाग्य बना सकता है। वर्तमान समय समाज और दुनिया की हालत तेज़ी से बदल रही है, ऐसे में तेज़ी से हो रहे मूल्यों की गिरावट को रोकना समय की मांग है। ऐसे में ज़रूरी है कि हम अपनी आंतरिक स्थिति को बढ़ाएं। इसके लिए राजयोग से बेहतर दूसरा कोई उपाय नहीं है' - **ब्रह्माकुमारीज़ की मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी जानकी।**

धार्मिक प्रभाग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. मनोरमा ने सभी संतों का आह्वान करते हुए कहा कि वे ऐसी जगह पर आए हैं जहाँ से आध्यात्मिकता की लौ प्रत्येक मनुष्य के अंदर शांति और प्रेम की शक्ति पैदा करेगी।

सम्मेलन के दौरान समूह चित्र में सभी संत महात्माओं के साथ दादी जानकी।

कार्यक्रम में शिया काउंसिल ऑफ इंडिया मुम्बई के महासचिव मौलाना ज़हीर अब्बास, घाटकोपर मुम्बई के ओशो प्रचारक स्वमी विट्ठल तथा प्रभाग के मुख्यालय संयोजक ब्र.कु. रामनाथ, अखिल भारतीय साध्वी शक्ति परिषद दिल्ली की महामंत्री महंत साध्वी प्रज्ञा भारतीय, अखिल भारतीय साध्वी शक्ति परिषद दिल्ली की उपाध्यक्ष महंत साध्वी विभानंद गिरी, ब्रह्माकुमारी संस्था की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी हृदयमोहिनी, बेळगाम के राजचोटेश्वर महास्वामी, ब्रह्माकुमारी संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर, शांतिवन की कार्यक्रम प्रबंधिका ब्र.कु. मुन्नी, वेदांताचार्य सिद्धपीठ भरतपुर के डॉ. स्वामी कौशल किशोरदास महाराज ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

आंतरिक और बाह्य प्रकृति के सामंजस्य से वैश्विक समरसता

नई दिल्ली। ब्रह्माकुमारी संस्था के साइंटिस्ट एवं इंजीनियरिंग प्रभाग द्वारा दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन 'क्लाइमेट चेंज' का आयोजन सत्य साँई सेंटर में हुआ। इस सम्मेलन में केन्द्रीय आयुष मंत्रालय, भू-विज्ञान मंत्रालय, केन्द्रीय विज्ञान एवं तकनीकि विभाग, डी.आर.डी.ओ. आदि संस्थाओं की भी सहभागिता रही।

भारत सरकार खनन मंत्रालय के सचिव बलविंदर कुमार ने कहा कि आंतरिक प्रकृति और मन को शांत एवं नियंत्रण करने के लिए हमें बाह्य परिवर्तन को स्वीकार करने की शक्ति और अपने विचारों को साक्षी हो देखने की क्षमता

विकसित करनी होगी। भौतिकवादी तथा उपभोक्तावादी जीवन शैली के कारण हम बीमार हो रहे हैं और प्रकृति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इसलिए हमें प्राचीन प्राकृतिक प्रकृति एवं सादे जीवन शैली को अपनाना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्था के मुख्य वक्ता ब्र.कु. बृजमोहन ने कहा कि वर्तमान समय आत्मा ही मात्र एक ऐसी चीज़ है जो ग्रैविटी से बंधी नहीं है और अविनाशी है। बस हमें इस क्लाइमेट चेंज में अपनी प्रदूषित मानसिकता का परिवर्तन करना है जिससे हम एक नई दुनिया सतयुग की स्थापन कर सकेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में इंजीनियर्स इंडिया लि. के निदेशक वी.सी. भंडारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मानव के विचारों और व्यवहार में परिवर्तन से क्लाइमेट चेंज हो रहा है, समुद्र का लेवल बढ़ रहा है, ग्लेसियर पिघल रहे हैं। इसलिए हमें आचरण में सकारात्मक परिवर्तन करके प्रकृति के अनावश्यक छेड़छाड़ को रोकना होगा।

साइंटिस्ट एंड इंजीनियरिंग प्रभाग के राष्ट्रीय संयोजक ब्र.कु. मोहन सिंघल ने कहा कि क्लाइमेट चेंज के हम चरम पर हैं जो प्रतिवर्ष परिवर्तन हो रहा है। यदि हमें इस परिवर्तन को रोकना है तो हमें अपनी भौतिकवादी सोच का अध्यात्म वादी सोच में परिवर्तन करना होगा।

ब्रह्माकुमारी संस्था के दिल्ली ज़ोन की अतिरिक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रुक्मणि ने कहा कि परमात्मा राजयोग एवं आध्यात्मिक ज्ञान के द्वारा हमारा परिवर्तन कर रहा है जिससे हम नई दुनिया के लायक बन सकें और इस सृष्टि का वातावरण सुंदर बन जाये।